भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4294
26.03.2025 को उत्तर देने के लिए

समय के उपयोग का सर्वेक्षण

4294. श्री पी. पी. चौधरी:
सुश्री कंगना रनौत:

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) समय के उपयोग का सर्वेक्षण (टीयूएस) नीति निर्माताओं को लक्षित शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करने में किस प्रकार मदद करता है;
(ख) विशेषकर महिलाओं के बीच शिक्षण कार्यकलापों को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए की जा रही पहल का ब्यौरा क्या है ;
(ग) पाठ्येत्तर और कौशल आधारित शिक्षण अवसरों को बढ़ाने के लिए टीयूएस के निष्कर्षों का किस प्रकार उपयोग किए जाने की संभावना है; और
(घ) शहरी-ग्रामीण शैक्षिक अंतर को पाटने के लिए टीयूएस से क्या महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाले गए हैं;

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री (राव इंद्रजीत सिंह)

(क) से (ग): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जनवरी-दिसंबर 2019 के दौरान पहला अखिल भारतीय समय उपयोग सर्वेक्षण (टीयूएस) आयोजित किया। नवीनतम टीयूएस जनवरी से दिसंबर 2024 के दौरान आयोजित किया गया था, जिसके लिए फैक्टशीट फरवरी, 2025 के महीने में जारी की गई थी। टीयूएस विभिन्न कार्यकलापों पर जनसंख्या द्वारा समय बिताने के निर्णयों को आंकने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है । यह जनसंख्या द्वारा किए जाने वाले कार्यकलापों तथा ऐसे कार्यकलापों के निष्पादन की समयावधि के बारे में सूचना का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। अन्य घरेलू सर्वेक्षणों से टीयूएस की एक अलग विशिष्ट विशेषता यह है कि यह मानवीय कार्यकलापों के विभिन्न पहलुओं पर बिताए गए समय के संबंध में जानकारी एकत्र कर सकता है, चाहे इसके लिए भुगतान किया गया हो, या न किया गया हो या ऐसे ही ब्यौरों के साथ अन्य कार्यकलाप, जो इसके अतिरिक्त किन्हीं अन्य सर्वेक्षणों में संभव नहीं हैं। हाल ही के वर्षों में, जेंडर सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं को मापने में उनकी उपयोगिता के लिए समय उपयोग सर्वेक्षणों ने नीति निर्माताओं और अन्य डेटा उपयोगकर्ताओं के बीच काफी लोकप्रियता प्राप्त की है। सर्वेक्षण का प्राथमिक उद्देश्य भुगतान किए गए और भुगतान रहित कार्यकलापों में पुरुषों और महिलाओं की भागीदारी को मापना है। टीयूएस घरेलू सदस्यों के भुगतान न किए गए देखभाल संबंधी कार्यकलापों, स्वैच्छिक कार्य तथा भुगतान रहित घरेलू सेवा प्रदान करने के कार्यकलापों में बिताए गए समय संबंधी सूचना का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। यह घर के सदस्यों द्वारा सीखने, सामाजिक मेलजोल बढ़ाने, मनोरंजन कार्यकलापों, स्व-देखभाल कार्यकलापों आदि पर बिताए गए समय पर भी सूचना प्रदान करता है। टीयूएस ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में जेंडर, आयु आदि जैसे विभिन्न स्तरों के वियोजन के साथ समय उपयोग के संकेतकों का अनुमान प्रदान करता

है। इनका उपयोग सरकार के विभिन्न विभागों और मंत्रालयों, अन्य संगठनों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और विद्वानों आदि द्वारा आगे की सांख्यिकीय प्रक्रियाओं के लिए योजना बनाने, नीति निर्माण, निर्णय समर्थन तथा इनपुट के रूप में किया जा सकता है।

भारत सरकार ने विशेष रूप से महिलाओं के बीच शिक्षा और सीखने के कार्यकलापों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न पहलों को कार्यान्वित किया है। चूंकि शिक्षा समवर्ती सूची में है, इसलिए शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना केंद्र और राज्य दोनों सरकारों का उत्तरदायित्व है। सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओँ/परियोजनाओँ/कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप हैं। एनईपी 2020 का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा जन्म या पृष्ठभूमि की परिस्थितियों के कारण सीखने और उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर न खो दे। इस नीति का उद्देश्य महिलाओं को अधिक पहुंच प्रदान करने सहित पहुंच, भागीदारी और सीखने के परिणामों में सामाजिक श्रेणी के अंतर को पाटना है। केंद्र सरकार ने महिलाओं सहित पूरे देश में छात्रों के बीच उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए फीस में कटौती, अधिक संस्थानों की स्थापना, छात्रवृत्ति, कमजोर वित्तीय पृष्ठभूमि वाले छात्रों को अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए सहायता हेतु राष्ट्रीय स्तर की छात्रवृत्ति तक प्राथमिकता, पहुंच जैसे विभिन्न कदम उठाए हैं।

(घ): टीयूएस घरेलू सदस्यों द्वारा सीखने, सामाजिक मेलजोल बढ़ाने, मनोरंजन कार्यकलाप, स्व-देखभाल कार्यकलाप आदि सहित विभिन्न कार्यकलापों पर जनसंख्या द्वारा बिताए गए समय को मापने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में जेंडर, आयु आदि जैसे विभिन्न स्तरों के साथ समय के उपयोग के संकेतकों का अनुमान भी प्रदान करता है। इनका उपयोग योजना बनाने, नीति निर्माण, निर्णय समर्थन और सरकार के विभिन्न विभागों और मंत्रालयों, अन्य संगठनों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और विद्वानों आदि द्वारा आगे की सांख्यिकीय प्रक्रियाओं के लिए इनपुट के रूप में किया जा सकता है।

फरवरी, 2025 में प्रकाशित टीयूएस 2024 फैक्टशीट के अनुसार, विभिन्न श्रेणियों के व्यक्तियों के लिए सीखने के कार्यकलापों में व्यक्तियों का अनुमानित प्रतिशत और प्रति प्रतिभागी पर एक दिन में बिताए गए औसतन मिनट तालिका -1 में दिए गए है -

तालिका-1: टीयूएस 2024 के दौरान, अधिगम कार्यकलापों में 6 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों का प्रतिशत और प्रत्येक प्रतिभागी द्वारा एक दिन में बिताए गए औसतन मिनट, चाहे कार्यकलाप कोई प्रमुख कार्यकलाप हो या नहीं

व्यक्तियों की श्रेणी		संकेतक	
		कार्यकलाप करने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत	प्रति प्रतिभागी एक दिन में बिताए गए औसतन मिनट
(1)	(2)	(3)	(4)
क्षेत्र	ग्रामीण	21.7	413
	शहरी	20.7	419
	ग्रामीण + शहरी	21.4	414
जेंडर	पुरूष	22.6	415
	महिला	20.2	413
	व्यक्ति	21.4	414

स्त्रोत: समय उपयोग सर्वेक्षण, 2024 संबंधी फैक्ट शीट

*****